इस्पात मंत्रालय

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 2609

15 दिसम्बर, 2011 को उत्तर के लिए

वर्ल्ड स्टील एसोसिएशन में भारत की ऊंची रैंकिंग

2609 श्री विजय जवाहरलाल दर्डा:

क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि वर्ल्ड स्टील एसोसिएशन की वैश्विक सूची में भारत को स्पंज आयरन का सबसे बड़ा उत्पादक और कच्चे इस्पात का तीसरा सबसे बड़ा उत्पादक घोषित किया गया है;

(ख) यदि हां, तो 120 मिलियन की प्राकलित उत्पादन क्षमता की प्राप्ति के लिए उठाए गए कदमों का ब्यौरा क्या है ताकि भारत दूसरा सबसे बड़ा इस्पात उत्पादक राज्य बन सके;

(ग) क्या इस्पात उत्पादक इकाइयों की संस्थापित क्षमता का पूरा दोहन हो रहा है; और

(घ) यदि नहीं, तो शत-प्रतिशत क्षमता के उपयोगार्थ प्रस्तावित उपायों का ब्यौरा क्या है ?

उत्तर

इस्पात मंत्री (श्री बेनी प्रसाद वर्मा)

(क): वर्ष 2010 के दौरान, विश्व इस्पात संस्था द्वारा की गई रैंकिंग के अनुसार, विश्व में भारत स्पंज लोहे का सबसे बड़ा उत्पादक और क्रूड स्टील का चौथा सबसे बड़ा उत्पादक है।

(ख): भारत जैसे एक उदारीकृत आर्थिक/बाजार परिदृश्य में सरकार की भूमिका एक सुविधाप्रदाता की होती है। इसी हैसियत से सरकार ने राष्ट्रीय इस्पात नीति जारी की है जिसमें भारतीय इस्पात उद्योग के लिए आपूर्ति में वृद्धि करने के लिए एक व्यापक रोडमैप तैयार किया गया है। प्रमुख इस्पात निवेशों से संबंधित मुद्दों का प्रबोधन करने और उनका समन्वय करने के लिए संबंधित मंत्रालय/विभागों और राज्य सरकारों से प्रतिनिधियों को शामिल करते हुए इस्पात मंत्रालय में एक अंतर-मंत्रालयीन समूह का भी गठन किया गया है। यह समूह इस्पात निवेशों से संबंधित समन्वय समस्याओं का प्रबोधन करने और इनकी समीक्षा करने के लिए नियमित रूप से बैठक करता है।

(ग): 2010-11 के दौरान संयुक्त संयंत्र समिति (जेपीसी) के अनंतिम आंकड़ों के पता चलता है कि भारत में क्रूड इस्पात के उत्पादन के लिए समस्त क्षमता उपयोगिता 89 प्रतिशत है।

(घ): इस्पात एक नियंत्रणमुक्त क्षेत्र है। इसीलिए क्षमता उपयोगिता में वृद्धि/संतुलन करने संबंधी निर्णय घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय दोनों स्तर पर मांग और आपूर्ति की मौजूदा बाजार स्थितियों के आधार पर इस्पात उत्पादकों द्वारा लिया जाता है।

**********